

### संपादकीय

## अयोध्या पर फैसला

भारत के मर्म को उद्घेलित करने वाले सदियों पुराने अयोध्या विवाद में अखिर फैसले की घड़ी आ ही गई। समझौते के प्रयासों, मध्यस्थों की बातचीत व उच्च न्यायालय की कोशिशों के बावजूद जब सदियों पुराने विवाद में कोई समाधान होता नजर नहीं आया तो अखिरकार सुप्रीमकोर्ट ने इस दिशा में गंभीर पहल की। लगातार चालीस दिन सुनवाई के बाद आस जगी है कि इस चिर प्रतीक्षित मामले में एक माह के भीतर फैसला आ जायेगा। उम्मीद की वजह यह है कि सुप्रीमकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई सत्रह नवंबर को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। दरअसल, यह महज एक भूखंड का विवाद नहीं है, इससे करोड़ों लोगों की आस्था भी जुड़ी है। आमतौर पर आस्था से जुड़े संवेदनशील विषयों पर अदालतों को फैसला देना आसान नहीं होता, मगर इस मामले में कई साक्ष्य भी उपलब्ध हैं, जिसमें पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग की रिपोर्ट भी शामिल है। यहां यह जरूरी है कि जब भी, जो भी फैसला आये, उसे देश सिर-माथे पर लगाये। इस विवाद को लेकर देश ने बड़ी कीमत चुकाई है और तमाम कोशिशों के बावजूद कोई समाधान नहीं निकल पाया। संभावित फैसले को लेकर हार-जीत की दावेदारी के बजाय सुप्रीमकोर्ट के फैसले का सम्मान सभी पक्षों को करना होगा। यह जानते हुए कि देश में सौहार्द व शांति पहली प्राथमिकता है। हमें पूरी दुनिया को यह संदेश देना है कि हम एक परिपक्व राष्ट्र के रूप में व्यवहार करते हैं। यदि कोई नकारात्मक प्रतिक्रिया होती है तो असामाजिक तत्व उसका फायदा उठा सकते हैं। राजनीतिक दल भी अपनी सुविधा से उपजे हालात की व्याख्या कर सकते हैं। हमारी कोशिश होनी चाहिए कि पिछले तीन दशक में इस विवाद के चलते देश को जो क्षति हुई, उसकी पुनरावृत्ति न होने पाये। हमें दुनिया को यह संदेश देना होगा कि हम तमाम मतभेदों के बावजूद मनभेद में विश्वास नहीं रखते।

वैसे तो बेहतर होता कि दोनों पक्षों द्वारा विवाद से जुड़े मुद्दों को आपस में सुलझा लिया जाता और इसे वर्ग विशेष की प्रतिष्ठा का प्रश्न न बनाया जाता। सुनवाई से पहले भी शीर्ष अदालत ने समस्या के समाधान के लिये मध्यस्थ पैनल भी नियुक्त किया था। मगर पैनल किसी निष्कर्ष तक पहुंचने में नाकामयाब रहा। दरअसल, इस विवाद को अस्मिताओं से जोड़ने और मानसिकता का हिस्सा बन जाने से मुद्दा बेहद संवेदनशील बन गया है। ऐसे में जो भी फैसला आये, उसका सम्मान होना चाहिए। उसे किसी की जीत व किसी की हार के रूप में नहीं लिया जाना चाहिए। यदि ऐसा होता है तो पड़ोस में भारत विरोधी ताकतें इस मुद्दे को अंतर्राष्ट्रीय मुद्दा बनाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेंगी। साथ ही हमारे राजनेताओं को भी इस मुद्दे पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। अतीत गवाह है कि मामले के राजनीतिक विवाद में फंसने के चलते देश ने इसकी बड़ी कीमत चुकायी है। ऐसे में पांच न्यायाधीशों की संवैधानिक पीठ जो भी फैसला सुनाए, विवाद से जुड़े तीनों पक्ष उसे सम्मान दें।

## पेंशन को लेकर ईपीएफओ अगले महीने कर सकता है बड़ा ऐलान

नई दिल्ली (आरएनएस)। नौकरी करने वालों के लिए बड़ी खबर है। ईपीएफओ यानी कर्मचारी भविष्य निधि संगठन पेंशन से जुड़े एक बड़े नियम में बदलाव की तैयारी कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पेंशन के लिए उम्र की सीमा को 58 साल से बढ़ाकर 60 साल किया जा सकता है। अगर आसान शब्दों में समझें तो मौजूदा समय में अलग-अलग जगह नौकरी करते हुए भी आपकी सर्विस हिस्ट्री 10 साल की हो जाती है तो आप पेंशन पाने के हकदार बन जाते हैं और 58 साल की उम्र होने पर आपको मासिक पेंशन के तौर



पर पैसा मिलने लगता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, ईपीएफओ अब उम्र की सीमा को 58 साल से बढ़ाकर 60 साल कर सकता है। अगले महीने ईपीएफओ संसद बोर्ड ट्रस्ट की बैठक में इस पर विचार हो सकता है। इस फैसले से पेंशन फंड को 30 हजार करोड़

रुपये की राहत मिलेगी। साथ ही नौकरीपेशा लोगों की सैलरी से कटने वाली रकम दो खतों में जाती है। पहला प्रोविडेंट फंड यानी ईपीएफ और दूसरा पेंशन फंड यानी ईपीएफ होता है। कर्मचारी की बेसिक सैलरी का 12 फीसदी हिस्सा ईपीएफ में जमा हो जाता है। इसके अलावा कंपनी की ओर से 3.67 फीसदी ईपीएफ में और बाकी 8.33 फीसदी हिस्सा कर्मचारी पेंशन योजना में जमा होता है। ईपीएफ के लिए सैलरी की अधिकतम सीमा अभी 15,000 रुपये प्रति माह है। इसलिए ईपीएफ में अधिकतम योगदान 1250 रुपये प्रतिमाह है।

आपको बता दें कि नौकरीपेशा लोगों की सैलरी से कटने वाली रकम दो खतों में जाती है। पहला प्रोविडेंट फंड यानी ईपीएफ और दूसरा पेंशन फंड यानी ईपीएफ होता है। कर्मचारी की बेसिक सैलरी का 12 फीसदी हिस्सा ईपीएफ में जमा हो जाता है। इसके अलावा कंपनी की ओर से 3.67 फीसदी ईपीएफ में और बाकी 8.33 फीसदी हिस्सा कर्मचारी पेंशन योजना में जमा होता है। ईपीएफ के लिए सैलरी की अधिकतम सीमा अभी 15,000 रुपये प्रति माह है। इसलिए ईपीएफ में अधिकतम योगदान 1250 रुपये प्रतिमाह है।

## जापान को निर्यात की अपार संभावनाएं: फियो



नई दिल्ली (आरएनएस)। जापान को दवा, रत्न एवं आभूषण, समुद्री उत्पाद, चावल, गो-मांस और एल्यूमीनियम का निर्यात किए जाने की अपार संभावनाएं हैं। निर्यातकों के संगठन फियो ने सोमवार को यह बात कही। फियो के अध्यक्ष शरद कुमार सराफ ने कहा कि भारत जापान को 17.6 अरब डॉलर का निर्यात करता है। यह दोनों देशों के बीच व्यापार की क्षमताओं के अनुरूप नहीं है। उन्होंने कहा, "दवा, रत्न-आभूषण, समुद्री उत्पाद, चावल, गोमांस और एल्यूमीनियम ऐसे क्षेत्र में जिसमें निर्यात संभावनाओं को तलाशा नहीं गया। इन क्षेत्रों में तीन अरब

डॉलर निर्यात की संभावना है। सराफ ने कहा कि फियो ने एक ऑनलाइन मंच भारत-जापान व्यापार समूह शुरू किया है। इसका मकसद दोनों देशों के व्यापार समुदाय के बीच संवाद बढ़ाना है ताकि आयात-निर्यात और निवेश संवर्द्धन पर काम किया जा सके। फियो ने व्यापार संवर्द्धन के लिए जापान-भारत उद्योग संवर्द्धन संघ के साथ एक सहमति ज्ञापन पत्र पर भी हस्ताक्षर किए हैं।

## निवेशकों को बनाए रखने के लिए प्रणाली बना रहा डीपीआईआईटी

नई दिल्ली (आरएनएस)। उद्योग संवर्द्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) निवेशकों को बनाए रखने और देश के भीतर उन्हें कार्यालय इत्यादि स्थापित करने में मदद के लिए एक प्रणाली बना रहा है। डीपीआईआईटी के सचिव गुरुप्रसाद मोहपात्रा ने सोमवार को यह बात कही। मोहपात्रा ने कहा कि इस संबंध में एक प्रस्ताव वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की अनुमति के लिए भेजा

गया है। इसके बाद वह देश में एक निवेश संवर्द्धन और सुविधा एजेंसी 'इंवेस्ट इंडिया' गठित करेगी। इसका वित्तपोषण डीपीआईआईटी करेगा। यहां एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा, "हम बहुत जल्द इसकी घोषणा करेंगे। 'इंवेस्ट इंडिया' के तहत हम एक अन्य प्रणाली विकसित करेंगे जो वास्तव में निवेश प्रस्तावों से जुड़े सवाल-जवाब के समाधान, उन्हें बनाए रखने और उन्हें उनके क्षेत्र में परिचालन में लाने के लिए काम करेगी।

## 2024 तक वर्ल्ड जीडीपी में अमेरिका से ज्यादा होगा भारत का योगदान

नई दिल्ली (आरएनएस)। वैश्विक अर्थव्यवस्था में सुस्ती छाई हुई है। पिछले दिनों आईएमएफ ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा था कि करीब 90 फीसदी देशों की विकास दर इस साल कम रहेगी और भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्था पर इसका असर अब साफ-साफ दिखने लगा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अगले पांच सालों में (2024 तक) जीडीपी का आकार लगभग दुगुना कर 5 ट्रिलियन डॉलर करने का लक्ष्य रखा है। भारत का ग्रोथ रेट भले ही



इस रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 में वैश्विक अर्थव्यवस्था में चीन का योगदान 2018 के 32.70 फीसदी के मुकाबले गिरकर 28.30 फीसदी पर पहुंच जाएगा, जबकि ग्लोबल जीडीपी ग्रोथ रेट घटकर 3 फीसदी पर पहुंचने का अनुमान जताया गया है। पांच साल बाद भारत का योगदान करीब 15.5 फीसदी रहने का अनुमान जताया गया है, जबकि अमेरिका का योगदान 13.8 फीसदी (2018-19) से घटकर 9.2 फीसदी पर पहुंच जाएगा।

इस रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 में वैश्विक अर्थव्यवस्था में चीन का योगदान 2018 के 32.70 फीसदी के मुकाबले गिरकर 28.30 फीसदी पर पहुंच जाएगा, जबकि ग्लोबल जीडीपी ग्रोथ रेट घटकर 3 फीसदी पर पहुंचने का अनुमान जताया गया है। पांच साल बाद भारत का योगदान करीब 15.5 फीसदी रहने का अनुमान जताया गया है, जबकि अमेरिका का योगदान 13.8 फीसदी (2018-19) से घटकर 9.2 फीसदी पर पहुंच जाएगा।

### आज का राशिफल

**मेष** राशि के लोग उत्साहित और आनंदित रहेंगे। आपका मनोबल बढ़ेगा। पराक्रम में वृद्धि होगी। कारोबार में बेहतरी आएगी, लाभदायक स्थिति बनी रहेगी। नए सम्पर्क बनेंगे जो लाभकारी रहेंगे।  
**वृषभ**- लेन-देन के कार्यों में सावधान बरतें। धन निवेश करते समय विशेष सावधानी बरतें। आज किसी को उधार न दें, क्योंकि आज दिए हुए धन को वापस आने की संभावना कम है।  
**मिथुन**- आज का दिन कुल मिलाकर अनुकूल रहेगा। अपने प्रयास से आप सभी काम में सफलता प्राप्त कर सकेंगे। व्यापार-व्यवसाय में उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे।  
**कर्कट**- आज का दिन मध्यम फलदायी होगा। खर्च की अधिकता हो सकती है। किसी न किसी कारण से अनावश्यक खर्च हो सकता है। व्यर्थ की यात्रा भी हो सकती है।  
**सिंह**- आज आपकी आमदनी में बढ़ोतरी होगी। धन लाभ होगा। जोखिमपूर्ण निवेश भी कर सकते हैं लेकिन भाव्य आपको लाभ दिलाएगा। किसी नए कार्य को प्रारंभ करने के लिए आज समय अनुकूल रहेगा।  
**कन्या**- आज आपका सितारा अनुकूल है। लाभ होगा और सफलता प्राप्त होगी। कामकाज में आ रही बाधाएं दूर होंगी। सुख-समृद्धि बढ़ेगी और यात्रा से लाभ होगा। आज ऑफिस में आपके साथी सहयोग देंगे।  
**तुला**- आज आपकी धार्मिक प्रवृत्ति बढ़ेगी। समाज में मान-प्रतिष्ठा का इजाफा होगा। धिरोधी परास्त होंगे। यात्रा लाभकारी रहेगी।  
**वृश्चिक**- आज का दिन मिश्रित फलदायी होगा। परिश्रम अधिक और लाभ कम रहेगा। कार्यों में बाधाएं आएंगी। यात्रा हो सके तो टारनें और वाहन सावधानी पूर्वक चलाएं।  
**धनु**- अगर कोई नया रोजगार शुरू करने की सोच रहे हैं तो अवश्य करें, सफलता मिलेगी। अविवाहितों के विवाह की बात आगे बढ़ेगी। सोचा हुआ कार्य आज पूर्ण होगा।  
**मकर**- आज संघर्ष के बाद सफलता मिलेगी। कोई नया आईडि अथवा कॉन्ट्रैक्ट मिलने की संभावना है। शत्रु बलहीन रहेंगे। मित्रों से लाभ होगा, शारीरिक स्फूर्ति का अनुभव होगा।  
**कुम्भ**- कारोबार सामान्य रहेगा। मनोरंजन कार्य पर खर्च हो सकता है। आज आपको अपनी प्रतिभा का लाभ मिलेगा और आपकी पहचान बनेगी। नई योजनाएं आपको लाभ देंगी।  
**मीन**- नया काम शुरू करने के लिए दिन अनुकूल नहीं है। जोखिमपूर्ण निवेश करने से बचें। क्रोध पर नियंत्रण रखें, विवाद वाली स्थिति से दूर रहने का प्रयास करें।

## जियो ने नए 'आल इन वन' प्लान लांच किया, पहले से भी हैं अधिक किफायती

नई दिल्ली (आरएनएस)। मुकेश अंबानी की रिलायंस जियो ने सोमवार को नये 'आल इन वन' प्लान का एलान किया। कंपनी का कहना है कि नये प्लान पहले से अधिक किफायती हैं। यह प्लान 222 रुपए, 333 रुपए और 444 रुपए के हैं जिनकी वैधता अवधि अलग-अलग है। आल इन वन प्लान में ग्राहकों को 2 जीबी डेटा प्रतिदिन मिलेगा। इसके अलावा एक



हजार मिनट इंटरनेट कनेक्टड यूजर्स चार्जस (आईयूसी) कालिंग भी फ्री मिलेगी। आईयूसी कालिंग फ्री का तात्पर्य है कि ग्राहक अब जियो से दूसरे नेटवर्क पर एक हजार मिनट

तक फ्री बात कर सकेंगे। जियो से जियो पर कालिंग पहले से ही फ्री है। जियो का 222 रुपए वाले प्लान की वैधता अवधि एक माह की है। अन्य दो प्लानों 333 रुपए और 444 रुपए की वैधता अवधि क्रमशः दो और तीन महीने है। कंपनी के मुताबिक 222 रुपए का प्लान लेने वाले ग्राहक को 2 जीबी डेटा प्रतिदिन और एक हजार मिनट आईयूसी एक माह के लिए मिलेगा।

## रंग-बिरंगे फूलों के पास कई बीमारियों का है इलाज

रंग-बिरंगे सुंदर फूल न केवल देखने में अच्छे लगते हैं बल्कि अपनी खुशबू से हमारे मन को भी महका देते हैं। फूलों का इस्तेमाल केवल सजने-संवरने और घर की शोभा बढ़ाने के लिए ही नहीं होता, बल्कि आपको ये जानकर आश्चर्य होगा कि इनके पास हमारे शरीर की कई बीमारियों को ठीक करने का इलाज है।



चिकित्सा के क्षेत्र में अहम योगदान है। आयुर्वेद में गुलाब का उपयोग स्क्वी के उपचार और गुर्दे संबंधी समस्याओं में होता है। फूलों से उपचार के क्षेत्र में शोध कर रहे आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. नितिन शर्मा ने बताया कि गुलाब का फूल शरीर में विटामिन सी की कमी को दूर करने में सहायक होता है।

गुलाब की कलियां विटामिन सी से समृद्ध होती हैं। इन कलियों को स्क्वी दूर करने के एक प्रमुख तत्व के तौर पर शामिल किया जाता है। गुलाब की कलियों का अर्क गुर्दे की बीमारियों की दवाइयां बनाने में भी इस्तेमाल होता है। यह मूत्र संबंधी विकारों को दूर करती हैं।

### सू-दोक्-22

	7			1		3
1	9			5		
		3			1	
	5					3
3				2		5
			3			2
4						7
7	8		1		6	
	6	7	9			1

नियम  
1. कुल 81 वर्ग हैं, जिसमें कुवों का एक खंड बनाता है।  
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते हैं।  
3. वर्ग से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम, काल और खंड में 1 से 9 तक के से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

## दीया मिर्जा ने फिल्म इंडस्ट्री में पूरे किए 18 साल

पूर्व ब्यूटी क्वीन और बॉलीवुड अभिनेत्री दीया मिर्जा ने 18 साल पहले फिल्म रहना है तेरे दिल में के साथ बॉलीवुड में अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। उस दौर को याद करते हुए दीया ने कहा कि उनकी यह रोमांटिक ड्रामा फिल्म अपने वक से आगे बढ़कर थी। फिल्म 18 साल पहले 19 अक्टूबर को रिलीज हुई थी, दिया ने इसे याद करते हुए कहा, पहली चीज हमेशा खास होती है, लेकिन रहना है तेरे दिल में एक ऐसी फिल्म है जो अपने समय से पहले की थी और यह एक खूबसूरत कहानी थी जिसमें रोमांस भरपूर था। मेरे एक्टिंग करियर के लिए एक यादगार शुरुआत के अलावा इसने मुझे जिंदगी भर के रिश्ते और दोस्त दिए हैं।



बता दें, यह तीसरा मौका होगा जब सलमान खान और प्रभुदेवा किसी फिल्म के लिए साथ आएंगे। इसके पहले दोनों वॉन्टेड और दबंग 3 में साथ काम कर चुके हैं। दबंग 3 इस साल 20 दिसंबर को रिलीज हो रही है। बात करें सलमान की तो उन्होंने 2003 में आई फिल्म तेरे नाम में राधे का किरदार निभाया था।

## राधे में सलमान खान के ऑपोजिट नजर आएंगी दिशा पाटनी?

एक्टर सलमान खान अगले साल फैंस को ईद की ट्रीट देने के लिए तैयार हैं। दबंग 3 के बाद वह एक बार फिर प्रभुदेवा के साथ फिल्म करने जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि फिल्म का नाम राधे: इंडियाज मोस्ट वॉन्टेड कॉपी होगा। ऐसी रिपोर्ट्स सामने आ रही थी कि सलमान के ऑपोजिट अनुष्का शर्मा को कास्ट किया जा सकता है।



अब खबर है कि फिल्म के लिए ऐक्ट्रेस दिशा पाटनी से बातचीत की जा रही है। सूत्र की मानें तो भारत के बाद सलमान के ऑपोजिट दिशा पर विचार

किया जा सकता है और मेकर्स जल्द इसका ऑफिशियल अनाउंसमेंट कर सकते हैं। कहा जा रहा है कि यह 2017 में आई कोरियन फिल्म द आउटलॉज का रीमेक है। राधे 4 नवंबर को फ्लोर पर जा सकती है। इसका पहला शेड्यूल मुंबई में होगा।

## मालपुए बनाने की विधि जानिए...

- सामग्री**
- 1 कप चावल का आटा
  - 1/2 कप शकर
  - 1/2 चम्मच पिसी कालीमिर्च
  - 1 चम्मच सौंफ
  - 2 बड़े चम्मच घी
  - 2 चम्मच काजू-बादाम (बारीक कटे हुए)



**विधि**

मालपुए बनाने के लिए आप सबसे पहले एक पैन में पानी और चीनी मिलाकर धीमी आंच पर लगभग 5 मिनट तक पका लें। अब इस मिश्रण को एक बॉउल में निकालकर उसे ठंड होने के लिए खुला छोड़ दें। जब यह चीनी और पानी का घोल थोड़ा ठंडा हो जाए तो उसमें चावल का आटा, कालीमिर्च पाउडर, सौंफ डालकर उसे अच्छे से फेंटकर मिक्स कर लें।

अब एक कड़ाही में घी गर्म करके उसमें से दो छोटी चम्मच घी मालपुए के मिश्रण में डालकर एक बार फिर से फेंट लें इसके बाद एक चौड़े पैन पर घी गर्म करें और उस पर चम्मच की मदद से मालपुए का मिश्रण डालकर गोलाई में घुमाते हुए मालपुआ बनाएं। अब मध्यम आंच पर मालपुए को दोनों तरफ से सुनहरा होने तक सेंक लें। इसके बाद इन मालपुओं को एक प्लेट में निकालकर कटे हुए काजू-बादाम से गार्निश करके माता को भोग लगाएं।

## शब्द सामर्थ्य- 22

**बाएं से दाएं**

- रुचिकर लगने वाली, रुचि के अनुकूल, चुनी हुई
3. राजाओं के बैठने का आसन
6. श्रमिक
7. कार्य, काज
9. वाद्ययंत्र आदि बजाने वाला
10. सहाय, सहायक
- वस्तु
11. शर्म, लाज, इया
12. मकखन, माखन
14. श्रीमती रावड़ी
- देवी इस प्रदेश की मुख्यमंत्री हैं
15. चंद्रमा, रजनीश, चांद
18. पुस्तक
20. अवधि, समय
21. तर्क वितर्क और कहा-सुनी, जवानी झगड़ा
22. झुका हुआ, नत।

**ऊपर से नीचे**

1. पंद्रह दिन का समय, शुक्ल या कृष्ण पक्ष
2. आग बुझाने की मशीन
3. हिंदू विवाहित स्त्री के मांग में भरने का लाल चूर्ण
4. पराजय, माला
5. मुंह ढकने का कपड़ा, धुंधल
8. चंद्रन, दक्षिण का
10. व्यवस्थित करना, सजाना, स्वभाव आदि का परिष्कार, शुद्ध संबंधी कृत्य
12. विशालता, बड़प्पन, महान होने का भाव
13. अडचन, रुकावट
15. जर्मन के अंदर गहरा और लंबा रास्ता, अच्छे रंग का
16. बेवकूफ, मूर्ख, अहमक
17. औसत के हिसाब से
18. कृषक
19. अधिक, ज्यादा

**शब्द सामर्थ्य क्रमांक 21 का हल**

ज	ल	आ	वा	जा	ही
मा	खू	ब	दू	र	स्थ
ना	दा	न	सा	ग	लक्ष्य
न	ख	त	र	ल	
वी	रा	न	च	ट	क
र	ब	आ	ज	क	ल
		आ	ग	दा	ना
अ	ग	र	म	ग	र
भा	भी	ती	न	व	ध